

विज्ञान एवं तकनीक · Science & Tech

सीसीयूएस तकनीक से उद्योगों का डीकार्बोनाइजेशन और स्वदेशी जीन संश्लेषण पर भारत का जोर

भारत ने 2070 तक नेट-जीरो लक्ष्य हेतु सीसीयूएस तकनीक और जैव प्रौद्योगिकी में आत्मनिर्भरता के लिए स्वदेशी जीन संश्लेषण पर केंद्रित नई रूपरेखा प्रस्तुत की है।

विज्ञान एवं तकनीक · Science & Tech

1. CCUS: नेट-जीरो 2070 का तकनीकी कवच

- भारी उद्योगों से \$CO₂\$ उत्सर्जन रोकने हेतु ₹20,000 करोड़ की योजना।
- IIT बॉम्बे और JNCASR बेंगलुरु में राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र सक्रिय।
- सीमेंट, स्टील और रिफाइनरी जैसे हार्ड-टू-एबेट सेक्टर पर मुख्य ध्यान।

विज्ञान एवं तकनीक · Science & Tech

2. स्वदेशी जीन संश्लेषण में आत्मनिर्भरता

- दवा और टीका अनुसंधान में विदेशी डीएनए आपूर्तिकर्ताओं पर निर्भरता घटेगी।
- भारत की विशाल आनुवंशिक विविधता बनेगी वैश्विक अनुसंधान का आधार।
- सिंथेटिक बायोलॉजी और जीनोमिक्स में नए नेशनल मिशन की रूपरेखा।

विज्ञान एवं तकनीक · Science & Tech

3. 29वां ETM 2026: हरित ईंधन की छलांग

- गोवा में आयोजित सम्मेलन की थीम: 'रिसर्च से कॉमर्शियलाइजेशन'।
- संपीड़ित बायोगैस (CBG) और ग्रीन हाइड्रोजन प्रौद्योगिकियों को प्राथमिकता।
- पेट्रोलियम रिफाइनरियों में स्वच्छ ऊर्जा नवाचारों का त्वरित एकीकरण।

परीक्षा के लिए तथ्य · Facts for Exams

याद रखें

Remember

CCUS बजटीय आवंटन	₹20,000 करोड़ (5 वर्ष)
राष्ट्रीय CCUS केंद्र	IIT बॉम्बे और JNCASR बेंगलुरु
भारत का नेट-जीरो लक्ष्य	वर्ष 2070
29वां ETM 2026 आयोजन स्थल	गोवा
ETM 2026 आयोजक संस्था	सेंटर फॉर हाई टेक्नोलॉजी (CHT)
जीन संश्लेषण नोडल विभाग	जैव प्रौद्योगिकी विभाग (DBT)

अभ्यास प्रश्न · Practice MCQ

कार्बन कैप्चर, यूटिलाइजेशन एंड स्टोरेज (CCUS) के संदर्भ में, भारत में राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र किन संस्थानों में स्थापित किए गए हैं?

A IIT दिल्ली और IISc बेंगलुरु

B IIT बॉम्बे और JNCASR बेंगलुरु

C IIT मद्रास और CSIR-NCL पुणे

D IIT खड़गपुर और BARC मुंबई

उत्तर / Answer: B — विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (DST) के सहयोग से दो राष्ट्रीय CCUS उत्कृष्टता केंद्र IIT बॉम्बे और JNCASR बेंगलुरु में स्थापित किए गए हैं।

अभ्यास प्रश्न · Practice MCQ

CCUS तकनीक मुख्य रूप से किस प्रकार के औद्योगिक क्षेत्रों के डीकार्बोनाइजेशन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जाती है?

- A हार्ड-टू-एबेट सेक्टर (जैसे इस्पात, सीमेंट, रिफाइनरी)
- B सॉफ्टवेयर और आईटी पार्क
- C पारंपरिक वस्त्र उद्योग
- D हस्तशिल्प और कुटीर उद्योग

उत्तर / Answer: A — इस्पात, सीमेंट, रसायन और रिफाइनरी जैसे उद्योगों को 'हार्ड-टू-एबेट' कहा जाता है क्योंकि इनके रासायनिक प्रक्रियों में कार्बन उत्सर्जन को केवल विद्युतीकरण से पूरी तरह समाप्त नहीं किया जा सकता।

पूरा लेख, PDF और रोज़ के अपडेट

Full article, PDF & daily updates

हिंदी और English दोनों में पढ़ें

aajkagk.com

पेज को **Follow** करें और **Share** करें

Follow the page & share with friends